चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी

एम.ए.हिन्दी तृतीय व चतुर्थ सत्र का पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना सत्र 2025–26 से प्रभावी

Courses	Nomenclature of Course	Course Code	Credits Distribution			Total Credits	Contact Hours			Total Contact Hours	Marks				Total Marks 600
			L	T	P		L	T	P		Theory		Practical		
											Internal	External	Internal	External	
SEMESTER-III (for option I)															
CC-9@4 credits	समकालीन हिन्दी कविता(1967से अद्यतन)	25HND-301	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
CC-10@4 credits	भारतीय काव्यशास्त्र	25HND-302-	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
CC-11@4 credits	हिन्दी की संस्कृति	25HND-303	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	Anyone of the following DECs														
DEC-3@4 credits **D.E.C** के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी **MOOC/SWAYAM** के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।	हिन्दी निबंध साहित्य	25HND-304 DEC-A	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	हिन्दी आत्मकथा एवं जीवनी	25HND-304 DEC-B	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी संस्मण एवं रेखाचित्र	25HND-304 DEC-C	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी डायरी एवं रिर्पोताज	25HND-304 DEC-D	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	Anyone of the following DECs														

DEC-4@4 credits **D.E.C** के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी **MOOC/SWAYAM** के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।	जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	25HND-305 DEC-A	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	व्यावसायिक हिन्दी	25HND-305 DEC-B	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी संचार कौशल	25HND-305 DEC-C	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग	25HND-305 DEC-D	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			
EEC@2 credits	रोजगारपरक हिन्दी	25HND-306	2	0	0	2	0	0	4	4	-	-	15	35	50
PC-3@2 credits	शोध पत्र लेखन एवं प्रस्तुति कौशल	25HND-307	2	0	0	2	2	0	0	2	15	35	-	-	50
			24	0	0	24	22	0	4	26	165	385	15	35	600
SEMESTER-IV (for option I)															
CC-12@4 credits	आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता	25HND-401	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
CC-13@4 credits	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	25HND-402	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	Anyone of the following DECs														
DEC-5@4 credits **D.E.C** के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी **MOOC/SWAYAM** के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को	हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श	25HND-403 DEC-A	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श	25HND-403 DEC-B	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी साहित्य में किसान विमर्श	25HND-403 DEC-C	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	

चुन सकते हैं।	हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श	25HND-403 DEC-D	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	Anyone of the following DECs														
DEC-6@4 credits **D.E.C** के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी **MOOC/SWAYAM** के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	25HND-404 DEC-A	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	समकालीन साहित्य चिन्तन	25HND-404 DEC-B	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी आलोचना	25HND-404 DEC-C	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी पत्रकारिता	25HND-404 DEC-D	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	Anyone of the following DECs														
DEC-7@4 credits **D.E.C** के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी **MOOC/SWAYAM** के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।	कबीरदास –विशिष्ट रचनाकार	25HND-405 DEC-A	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	सूरदास –विशिष्ट रचनाकार	25HND-405 DEC-B	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	तुलसीदास– विशिष्ट रचनाकार	25HND-405 DEC-C	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	मीराबाई –विशिष्ट रचनाकार	25HND-405 DEC-D	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			
PC-4@2 credits	शोध–प्रविधि एवं व्यावहारिक रूप	25HND-406	2	0	0	2	0	0	4	4	-	-	15	35	50
			22	0	0	22	20	0	4	24	150	350	15	35	550
SEMESTER-IV (for option II)															

	Anyone of the following DECs															
Courses	Nomenclature of Course	Courses code	L	T	P	T	L	T	P	Total	Internal T	External T	Internal P	External P	Total Marks	
DEC-5@4 credits. D.E.C के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी MOOC/SWAYAM के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।	हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श	25HND-403 DEC-A	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	
	हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श	25HND-403 DEC-B	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-		
	हिन्दी साहित्य में किसान विमर्श	25HND-403 DEC-C	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-		
	हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श	25HND-403 DEC-D	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-		
DEC-6@4 credits D.E.C के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी MOOC/SWAYAM के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	25HND-404 DEC-A	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	
	समकालीन साहित्य चिन्तन	25HND-404 DEC-B	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70				
	हिन्दी आलोचना	25HND-404 DEC-C	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-			
	हिन्दी पत्रकारिता	25HND-404 DEC-D	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-			
PC-4@2 credits	शोध–प्रविधि एवं व्यावहारिक रूप	25HND-406	2	0	0	2	0	0	4	4	-	-	15	35	50	
Dissertation/ Project work/ Apprenticeship/ Internship etc.	लघु शोधप्रबंध	25HND-407	0	0	0	12	0	0	12	24	-	-	100	200	300	
			10	0	0	22	8	0	16	36	60	140	115	235	550	

M.A. Hindi 1st Year Level-500-599
M.A. Hindi 2nd Year Level-600-699

M.A. HINDI Duration : 4th Semester (2 years)

Ist Semester Credit-20= MARKS=500

2nd Semester Credit-22 MARKS=550

3rd Semester Credit -24 MARKS=600

4th Semester Credit -22 MARKS=550

Total Credit : 88 Total Marks: 2200

कार्यक्रम के परिणाम (POs)

PO1.	ज्ञान :– छात्रों को अकादमिक रूप से तैयार करना ताकि वे मानविकी और भाषाओं –हिन्दी,पंजाबी,संस्कृत और अंग्रेजी के मुख्य विषयों में चुने गए क्षेत्रों का विस्तृत ज्ञान और समझ प्राप्त कर सकें। इससे उनका बौद्धिक विकास होगा और वे इस ज्ञान को अपने व्यक्तिगत, पेशेवर व सामाजिक जीवन में लागम कर सकें।
PO2.	विशेषज्ञता और रोजगार की क्षमता :– संचार कौशल,सॉफ्ट स्किल्स और भाषाई दक्षता को बेहतर बनाना ताकि वे अपने चुने हुए करियर में सफल हो सकें।
PO3.	अंतर–विषयक दृष्टिकोण :– मानविकी और भाषाओं के मुख्य विषयों के अलावा,अध्ययन के चुने हुए क्षेत्रों की अवधारणों और सिद्वान्तों की समझ विकसित करना।
PO4.	अनुप्रयोग विकास :–छात्रों को भारतीय और पश्चिमी सौंदर्यशास्त्र व अनुवादित रचनाओं से परिचित कराना। इससे वे विभिन्न विषयों से प्राप्त सैद्वांतिक अवधारणाओं को लागू करके सभी साहित्यिक विधाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे और उन्हें ऐतिहासिक आंदोलनों,साहित्यिक आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे और उन्हें ऐतिहासिक आंदोलनों,साहित्यिक आलोचना और सिद्वान्त के व्यापक संदर्भ में समझ सकेंगे।
PO5.	आलोचनात्मक सोचः– अंग्रेजी,पंजाबी,संस्कृत और हिन्दी साहित्य का विश्लेषण करने के लिए आलोचनात्मक कौशल विकसित करना। इसमें जातीय समूहों,नस्ल,वर्ग,लिंग और वैकल्पिकता,प्रतिनिधित्व,पर्यावरण और पारिस्थितिक तथा बहुसंस्कृतिवाद,उत्तर–उपनिवेशवाद, उत्तर–मानवतावाद,प्रवासन आदि रूझानों से मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।
PO6.	IT – सूचना तकनीक आधारित कौशल और शोध नैतिकता :– छात्रों को शोध पद्वति,शोध नैतिकता,कंप्यूटर अनुप्रयोग और ICT सक्षम शिक्षण पद्वतियों की बुनियादी बातों से परिचित कराना।

एम.ए.हिन्दी Programme: Course–PO Mapping (Semester I,II, III, Iv)

M.A. HINDI Course–Programme Outcomes (POs) Mapping

	PO1 ज्ञान	PO2 विशेषज्ञता और रोजगार की क्षमता :	PO3 अंतर–विषयक दृष्टिकोण	PO4 अनुप्रयोग विकास	PO5 आलोचनात्मक सोच	PO6 सूचना तकनीक आधारित कौशल और शोध नैतिकता	PO7 समस्या समाधान	PO8 नैतिकता और नेतृत्व
आधुनिक हिन्दी कविता(1857–1936)	✓	◐	✓	◐	✓	◐	◐	✓
हिन्दी कहानी-	✓	◐	✓	◐	✓	◐	◐	✓
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	✓	◐	✓	◐	✓	◐	◐	✓
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	✓	✓	✓	◐	✓	◐	◐	✓
विशिष्ट रचनाकार – भारतेंदु हरिश्चन्द्र	✓	✓	✓	◐	✓	◐	◐	✓
विशिष्ट रचनाकार –प्रेमचन्द	✓	✓	✓	◐	✓	◐	◐	✓
विशिष्ट रचनाकार–जयशंकर	✓	✓	✓	◐	✓	◐	◐	✓
विशिष्ट रचनाकार–अज्ञेय	✓	✓	✓	◐	✓	◐	◐	✓
विशिष्ट रचनाकार–बालमुकुन्द गुप्त	✓	✓	✓	◐	✓	◐	◐	✓
हिन्दी में विज्ञापन लेखन–कौशल	◐	✓	✓	✓	◐	✓	✓	◐
आधुनिक हिन्दी कविता (1936–1960)	✓	◐	✓	◐	◐	✓	✓	✓
हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	✓	◐	✓	◐	◐	✓	✓	✓
हिन्दी साहित्य का इतिहास(आधुनिककाल)	✓	◐	✓	◐	◐	✓	✓	✓
हिन्दी उपन्यास	✓	◐	✓	◐	◐	✓	✓	✓
लोक साहित्य	✓	✓	✓	◐	◐	✓	✓	✓
हरियाणा का हिन्दी साहित्य	✓	✓	✓	◐	◐	✓	✓	✓
आधुनिक भारतीय साहित्य	✓	✓	✓	◐	◐	✓	✓	✓
प्रवासी साहित्य	✓	✓	✓	◐	◐	✓	✓	✓
साहित्य की समझ	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐	✓
भारतीय ज्ञान परम्परा और हिन्दी साहित्य	✓	◐	✓	◐	◐	◐	◐	✓
साक्षात्कार लेखन एवं कौशल	◐	✓	✓	✓	✓	✓	✓	◐

समकालीन हिन्दी कविता(1967से अद्यतन)	✓	◐	◐	✓	✓	◐	◐	✓
भारतीय काव्यशास्त्र	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐	✓
हिन्दी की संस्कृति	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐	✓
हिन्दी निबंध साहित्य	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐	✓
हिन्दी आत्मकथा एवं जीवनी	✓	◐	✓	✓	✓	◐	◐	✓
हिन्दी संस्मण एवं रेखाचित्र	✓	◐	◐	✓	✓	◐	◐	◐
हिन्दी डायरी एवं रिर्पोताज	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐	◐
जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	◐	✓	✓	✓	✓	✓	✓	◐
व्यावसायिक हिन्दी	◐	✓	✓	✓	✓	✓	✓	◐
हिन्दी संचार कौशल	✓	✓	◐	◐	◐	✓	◐	◐
अनुवाद सिद्वान्त एवं प्रयोग	✓	✓	✓	✓	✓	◐	◐	◐
रोजगारपरक हिन्दी	◐	✓	✓	✓	✓	✓	✓	◐
शोध पत्र लेखन एवं प्रस्तुति कौशल	◐	✓	✓	✓	✓	✓	✓	◐
आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐
पाश्चात्य काव्यशास्त्र	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐
हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श	✓	✓	✓	✓	✓	◐	◐	◐
हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श	✓	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐
हिन्दी साहित्य में किसान विमर्श	✓	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐
हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श	✓	✓	✓	✓	✓	◐	◐	◐
हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	✓	✓	◐	✓	✓	◐	◐	◐
समकालीन साहित्य चिन्तन	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐
हिन्दी आलोचना	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐
हिन्दी पत्रकारिता	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐
कबीरदास –विशिष्ट रचनाकार	✓	✓	✓	✓	✓	◐	◐	◐
सूरदास –विशिष्ट रचनाकार	✓	✓	◐	✓	✓	◐	◐	◐
तुलसीदास– विशिष्ट रचनाकार	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐
मीराबाई –विशिष्ट रचनाकार	✓	✓	◐	◐	◐	◐	◐	◐
शोध–प्रविधि एवं व्यावहारिक रूप	◐	✓	✓	✓	✓	✓	✓	◐
लघु शोधप्रबंध	◐	✓	✓	✓	✓	✓	✓	◐

PO7,	समस्या समाधान : छात्रों को नवीन पद्धतियों के लिए प्रशिक्षित करना जो उन्हें साहित्य,राजनीति और समाज के बीच अंतर्निहित संबंधों को समझने में मदद करेंगी।
PO8.	नैतिकता और नेतृत्व :– नैतिक मूल्यों को अपनाने और उनका पालन करने की क्षमता को बढाना ताकि वे अपने व्यक्तिगत,पेशेवर और सामाजिक जीवन में नेतृत्व की भूमिका निभा सकें।

Scheme of Examination According to NEP 2020

1. C.C - (Core course)यह विषय सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं।
2.D.E.C-(Discipline Elective Course) इन विषयों में से विद्यार्थी किसी भी एक विषय का चयन अपनी इच्छा से कर सकते हैं। **D.E.C** के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी **MOOC/SWAYAM** के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।
3. IKS/VAC- (Indian Knowledge System) यह विषय विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परम्परा प्रणाली से जोड़ने का कार्य करेगा।
4. EEC - (Employability&Enterprencurship skill Course)यह विषय विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य करेगा।
5. PC- (Practicum)यह विषय विद्यार्थियों को प्रैक्टिकम के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा देने का कार्य करेगा।

एम.ए.हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-301 समकालीन हिन्दी कविता Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
समयः 3 घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. समकालीन कविता की परिभाषा एवं स्वरूप का विस्तृत जानकारी प्राप्त करेगें।
2. समकालीन प्रमुख कवियों की ज़ानकारी प्राप्त करके समकालीन प्रवृत्तियों का अध्ययन करेगें।
3. भूमंडलीकरण और समकालीन कविता के बारे में जानेगें।
4. समकालीन कविता की सौंदर्य चेतना और हिन्दी–बोध की जानकारी प्राप्त करेगें।
5. समकालीन कवियों की जानकारी प्राप्त करते हुए कवियों की भाषा शैली एवं काव्य–सौष्ठव की जानकारी प्राप्त करेगें।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

समकालीन हिन्दी कविता : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
समकालीन हिन्दी कविता के प्रमुख कवि
समकालीन हिन्दी कविताः प्रवृत्तियाँ
समकालीन हिंदी कविता में यथार्थ

इकाई– 2

समकालीन हिन्दी कविता की सौन्दर्य चेतना
समकालीन हिन्दी कविता में राजनीतिक चेतना
भूमण्डलीकरण और समकालीन हिन्दी कविता
समकालीन हिन्दी कविता की भाषा–शैली

इकाई–3

सुदामा पाण्डेय धूमिल– मोचीराम, अकाल दर्शन,रोटी और संसद
विनोद कुमार शुक्ल–जो मेरे घर कभी नहीं आएंगे, मंगल ग्रह इस समय पृथ्वी के बहुत पास आ गया है
आलोक धन्वा–सफेद रात, गोली दागो पोस्टर
अटल बिहारी वाजपेयी – कदम मिलाकर चलना होगा, स्वतंत्रता दिवस की पुकार

इकाई–4

राजेश जोशी –बच्चे काम पर जा रहे हैं, इत्यादि
अनामिका– बेजगह, स्त्रियॉं
मंगलेश डबराल– संगतकार, गूढानंद पथिक
कुमार विश्वास –है उनको नमन, विदा लाडो

संदर्भ पुस्तकें –

1. सुदामा पाण्डये धूमिल : अवधेश प्रधान– साहित्य अकादमी.
2. नई साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैंनेजर पाण्डेय– वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. कविता ने नए प्रतिमान : नामवर सिंह– राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. कवि कह गया है, वाजपेयी –भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
5. आवाज़ भी एक जगह है कविता संग्रह मंगलेश डबराल
6. अटल बिहारी वाजपेयी– मेरी इक्यावन कविताऍं,किताब घर प्रकाशन,नई दिल्ली,प्रथम संस्करण –2020
7. कुमार विश्वारा– कोई दिवाना कहता है,फुल सर्किल प्रकाशन नई दिल्ली, प्रथम संस्करण –2007

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-302 भारतीय काव्यशास्त्र Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी संस्कृत काव्यशास्त्र के विभिन्न संप्रदायों का अध्ययन कर सकेंगे।
2. काव्य के विभिन्न पक्षों से संबधित जानकारी प्राप्त कर सकेगे।
3. विद्यार्थी रस,अलंकार,रीति,ध्वनि,वक्रोक्ति और औचित्य आदि विभिन्न सिद्वान्तों की जानकारी प्राप्त कर सकेगे।
4. भारतीय काव्यशास्त्र का उद्भव और विकास की जानकारी मिलेगी।
5. भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न विद्वानों की जानकारी मिलेगी।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा।जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1

काव्य : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
काव्य के लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–भेद, काव्य–प्रयोजन
शब्दशक्ति ,काव्यगुण, काव्य–दोष
संस्कृत कांव्यशास्त्र के विभिन्न संप्रदाय

इकाई– 2

रस : अर्थ, अवधारणा स्वरूप और विकास, रस निष्पत्ति
रस के अवयव, साधारणीकरण
अलंकार संप्रदाय : अर्थ, परिभाषा, अवधारणा स्वरूप और विकास
अलंकार के भेद

इकाई–3

रीति संप्रदाय : अवधारणा, स्वरूप और विकास
रीति के भेद
ध्वनि संप्रदायः अवधारणा, स्वरूप और विकास
ध्वनि के भेद

इकाई–4

वक्रोक्ति संप्रदायः अवधारणा, स्वरूप और विकास
वक्रोक्ति के भेद
औचित्य संप्रदाय– अवधारणा स्वरूप और विकास
औचित्य के भेद

संदर्भ पुस्तकें:–

1. रस मीमांसा : रामचंद्र शुक्ल –नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गणपतिचंद्र गुप्त– लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
3. काव्य शास्त्र : भगीरथ मिश्र – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ
5. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी –अंलकार प्रकाशन दिल्ली

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-303 हिन्दी की संस्कृति (संस्थाएँ, पत्रिकाएं, आंदोलन, केन्द्र) Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.हिन्दी की संस्कृति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2.हिन्दी के प्रचार–प्रसार से संबंधित संस्थाओं की जानकारी मिलेगी।
3.स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी की पत्र–पत्रिकाओं के योगदान को जान सकेंगे।
4.इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी की संस्थाओं,पत्र–पत्रिकाओं,हिन्दी आन्दोलनों और हिन्दी के केन्द्रों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
5.हिन्दी भाषा के प्रति प्रेम पैदा करके हिन्दी भाषा का वैश्विकरण करते हुए साहित्यिक पत्र–पत्रिकाओं का अध्ययन करेगें

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1 –हिन्दी की प्रमुख संस्थाएँ :
नागरी प्रचारिणी सभा, बनारस,
हिर्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग,
बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना,
दक्षिण भारत हिर्दी प्रचार सभा, चेन्नई
केन्द्रीय हिर्दी संस्थान, आगरा

इकाई– 2 हिन्दी की पत्रिकाएँ (संक्षिप्त अध्ययन)

कविवचन सुधा , हिंदी प्रदीप, ब्राहमण, आनंदकादंबिनी
सरवस्ती, प्रताप, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत
चॉद, हंस, नया ज्ञानेादय, आलोचना
धर्मयुग, पहल, समयांतर ,साप्ताहिक हिन्दुस्तान
हरिगंधा, सप्तसिंधु, तद्भव

इकाई–3– हिन्दी के आंदोलन :

ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली, खड़ी बोली आन्दोलन
हिन्दी उर्दू–हिन्दुस्तानी विवाद
भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन
आर्य समाज आन्दोलन
लघु पत्रिका आन्दोलन

इकाई–4– हिन्दी की संस्कृति के प्रमुख केन्द्र

हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र बनारस
हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र इलाहाबाद
हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र दिल्ली
हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र लखनऊ
हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र कोलकाता

संदर्भ पुस्तकें :–

1. नागरी प्रचारिणी सभा : वार्षिक विवरण– नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2.हिन्दी साहित्य सम्मेलन का इतिहास : नरेश मेहत्ता– हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3.खड़ी बोली आंदोलन : शितिकंठ मिश्र–नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
4.आधुनिक हिन्दी के विकास में खड.ग विलास प्रेस की भूमिका : धीरेन्द्र नाथ सिंह–बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
5.हिन्दी की संस्कृति : दीपक कुमारी, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-304-A हिन्दी निबंध साहित्य Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. हिन्दी निबंधों के विभिन्न प्रकारों की जानकारी प्राप्तं कर सकेंगे।
2. विद्यार्थियों में हिन्दी निबंध की समझ विकसित करना।
3. हिन्दी निबंध की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
4. साहित्यिक विश्लेषण एवं मूल्यांकन क्षमता का विकास करना।
5. हिन्दी भाषा एवं अभिव्यक्ति कौशल को समृद्व बनाना।
6. प्रमुख निबंधकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

निबंध : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
हिन्दी निबंध का उद्भव एवं विकास
हिन्दी निबंध के प्रकार – विचारात्मक, ,भावात्मक,वर्णनात्मक,विवेचनात्मक,व्यंग्यात्मक,आत्मपरक
निबंध और ललित निबंध में अंतर

इकाई –2

शुक्ल पूर्व युगीन हिन्दी निबंध
शुक्लयुगीन हिन्दी निबंध
शुक्लोत्तरयुगीन हिन्दी निबंध
समकालीन हिन्दी निबंध

इकाई –3 हिन्दी के प्रमुख निबंध

भारतेन्दु–भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?
प्रताप नारायण मिश्र– शिवमूर्ति
बालमुकुंद गुप्त –शिवशंभु के चिट्ठे से 'पीछे मत फेंकिये'
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल– मित्रता

इकाई –4 हिन्दी के प्रमुख ललित निबंध

हजारी प्रसाद द्विवेदी –नाखून क्यों बढ़ते हैं?
विद्यानिवास मिश्र–मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
कुबेरनाथ राय–उत्तरफाल्गुनी के आस–पास
विवेकी राय–उठ जाग मुसाफिर

सन्दर्भ सूची –

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,हिन्दी साहित्य का इतिहास,लोकभारती प्रकाशन,नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2. नामवर सिंह,कविता के नए प्रतिमान,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी निबंध,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
4. रामविलास शर्मा,निराला की साहित्य साधना,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
5. नगेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका,नेशनल पब्लिशंग हाउस,नई दिल्ली।
6. नंददुलारे वाजपेयी, आधुनिक हिन्दी आलोचना,किताब महल,

7. रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि,लोकभारती प्रकाशन,नई दिल्ली।
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी, अशोक के फूल,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
9. विश्वनाथ त्रिपाठी – हन्दी आलोचना ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा –राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. नामवर सिंह, दूसरी परम्परा की खोज इतिहास और आलोचना ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। नामवर सिंह– राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-304-B हिन्दी आत्मकथा एवं जीवनी Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य की प्रकृति और विकास को समझना।
2.जीवन–लेखन की विभिन्न विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन करना।
3.दलित,स्त्री एवं सामाजिक विमर्शों को आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य के माध्यम से समझना।
4.आत्मकथा एवं जीवनी की भाषा–शैली और सत्यबोध का अध्ययन करना।
5. विद्यार्थी आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य की प्रकृति और प्रवृतियों को समझ सकेंगे।
6.शोध एवं अकादमी लेखन में दक्षता प्राप्त करना।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

आत्मकथा :अर्थ ,परिभाषा, स्वरूप एवं अवधारणा
हिन्दी आत्मकथा का उद्भव एवं विकास, परंपरा
हिन्दी आत्मकथा में सत्य,स्मृति एवं आत्माभिव्यक्ति
आधुनिक हिन्दी साहित्य में आत्मकथा की प्रासंगिकता

इकाई –2
जीवनी :अर्थ ,परिभाषा एवं स्वरूप एवं अवधारणा
हिन्दी जीवनी का उद्भव एवं विकास, परंपरा
हिन्दी जीवनी साहित्य में यथार्थ एवं कल्पना
आधुनिक हिन्दी साहित्य में जीवनी की प्रासंगिकता
इकाई –3 आत्मकथा साहित्य
हरिवंश राय बच्चन –क्या भूलूँ क्या याद करूँ भाग–1
मन्नू भंडारी –एक कहानी यह भी

इकाई –4 जीवनी साहित्य
शिवरानी देवी –प्रेमचन्द घर में
विष्णु प्रभाकर –आवारा मसीहा–दिशाहारा पहला पर्व

सन्दर्भ सूची–

1.हरिवंश राय बच्चन –क्या भूलूँ क्या याद करूँ,राजपाल एण्ड संस,प्रकाशन वर्ष–1969 ई., नई दिल्ली।
2.मन्नू भंडारी –एक कहानी यह भी है,राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रकाशन वर्ष 2007,नई दिल्ली।
3.शिवरानी देवी –प्रेमचन्द घर में,हिन्दुस्तानी पब्लिशिंग हाउस,प्रकाशन वर्ष–1944ई.।
4.विष्णु प्रभाकर –आवारा मसीहा,राजपाल एण्ड संस,प्रकाशन वर्ष–1974ई.,नई दिल्ली।
5.रामविलास शर्मा–निराला की साहित्य साधना, प्रकाशन वर्ष–1969ई. ,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
6.महादेवी वर्मा,अतीत के चलचित्र, प्रकाशन वर्ष–1941ई.,लोकभारती प्रकाशन।
7.महादेवी वर्मा, स्मृति की रेखाएँ, प्रकाशन वर्ष–1943ई.भारती भंडार।
8.डॉ.नारायण शर्मा,हिन्दी आत्मकथा साहित्य,प्रकाशन वर्ष–2008ई.साहित्य भवन,नई दिल्ली।
9.शांति स्वरूप गुप्त,जीवनी साहित्य,सिद्वान्त और अध्ययन, प्रकाशन वर्ष–2010ई., वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
10. डॉ. माया मलिक ,आवारा मसीहा : जीवनी के निकष पर, –स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-304-C हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्र Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.विद्यार्थियों में हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्र की समझ विकसित करना।
2. हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्र की प्रवृतियों से परिचित कराना।
3.साहित्यिक विश्लेषण एवं मूल्यांकन क्षमता का विकास करना।
4 हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्रों की भाषा एवं अभिव्यक्ति कौशल को समृद्व बनाना।
5.प्रमुख हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्रों के लेखकों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
6.साहित्यिक विश्लेषण एवं मूल्यांकन क्षमता विकसित कर सकेंगे।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

रेखाचित्र :अर्थ ,परिभाषा, स्वरूप एवं अवधारणा
हिन्दी रेखाचित्र का उद्भव एवं विकास, परंपरा
हिन्दी रेखाचित्रों में आत्माभिव्यक्ति
आधुनिक हिन्दी साहित्य में रेखाचित्रों की प्रासंगिकता

इकाई –2

संस्मरण :अर्थ ,परिभाषा एवं स्वरूप एवं अवधारणा
हिन्दी संस्मरण का उद्भव एवं विकास, परंपरा
हिन्दी संस्मरण साहित्य में यथार्थ एवं कल्पना
आधुनिक हिन्दी साहित्य में संस्मरण की प्रासंगिकता

इकाई –3 रेखाचित्र साहित्य

रामवृक्ष बेनीपुरी– माटी की मूरतें
श्रीराम शर्मा–बोलती प्रतिमा से –बोलती प्रतिमा केवल एक रेखाचित्र

इकाई –4 संस्मरण साहित्य

महादेवी वर्मा –स्मृति की रेखाएँ से– ठकुरी बाबा
कैहन्यालाल मिश्र 'प्रभाकर' – दीप जले शंख बजे पुस्तक से – ये दीप, ये शंख, मुखिया सुचेत

सन्दर्भ सूची–

1. महादेवी वर्मा, स्मृति की रेखाएँ, प्रकाशन वर्ष–1943ई.भारती भंडार।
2. रामवृक्ष बेनीपुरी– माटी की मूरतें–लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
3. बच्चन सिंह,हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस
4. राम स्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
5. रामविलास शर्मा, भारतेन्दु युग और हिन्दी गद्य की विकास परम्परा ,राजकमल प्रकाशन; नयी दिल्ली
6. रामचन्द्र तिवारी,हिन्दी का गद्य इतिहास, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
7. श्रीराम शर्मा,बोलती प्रतिमा,आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
8. कैहन्यालाल मिश्र 'प्रभाकर' – दीप जले शंख बजे,भारतीय ज्ञानपीठ, काशी।

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-304-D हिन्दी डायरी एवं रिपोर्ताज साहित्य Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. डायरी एवं रिपोर्ताज विधा की प्रकृति और स्वरूप का अध्ययन कराना।
2. .प्रमुख डायरीकारों एवं रिपोर्ताज लेखकों की लेखकों की रचनात्मक विशेषताओं का अध्ययन कर सकेगें।
3. सामाजिक,सांस्कृतिक एवं राजनीतिक संदर्भों में डायरी और रिपोर्ताज की भूमिका समझाना।
4. विद्यार्थियों में लेखन एवं विश्लेषण क्षमता का विकास करना।
5. .हिन्दी गद्य की आधुनिक विधाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
6. .युद्ध,राजनीति और सामाजिक आंदोलनों से संबंधित रिपोर्ताज की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

डायरी :अर्थ,परिभाषा ,स्वरूप एवं विकास

डायरी साहित्य में यथार्थ और अनुभव एवं विशेषताएँ
हिन्दी साहित्य में डायरी लेखन की प्रासंगिकता
हिन्दी के प्रमुख डायरीं साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय

इकाई–2

रिपोर्ताज : अर्थ,परिभाषा ,स्वरूप एवं विकास
रिपोर्ताज : साहित्य में यथार्थ और अनुभव एवं विशेषताएँ
हिन्दी साहित्य में रिपोर्ताज लेखन की प्रासंगिकता
हिन्दी के प्रमुख रिपोर्ताज साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय

इकाई–3 डायरी साहित्य

गजानन माधव मुक्तिबोध–एक साहित्यिक की डायरी
मोहन रोकश की डायरी–भाग– 1

इकाई–4 रिपोर्ताज

रांगेय राघव – तूफानों के बीच से

1.एक रात
2. मरेंगे साथ, जियेंगे साथ

धर्मवीर भारती –युद्धयात्रा से

1.युद्ध : अप्रत्याशित आरंभ
2. भारत–पाकिस्तान के बीच निर्णायक युद्ध

सन्दर्भ–सूची–

1. गजानन माधव मुक्तिबोध–एक साहित्यिक की डायरी,राजकमल प्रकाशन,1964ई.,नई दिल्ली।
2. मधु कांकरिया–बंजारा मन और बंदिशे,किताब घर प्रकाशन,2011 ई.नई दिल्ली।
3. तूफानों के बीच–रांगेय राघव, किताब घर प्रकाशन,1946 ई.नई दिल्ली।
4. डॉ.रामचन्द्र तिवारी– हिन्दी गद्य की विधाएँ,प्रकाशन वर्ष–1995ई.,विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
5. डॉ.नामवर सिंह–हिन्दी रिपोर्ताज,प्रकाशन वर्ष–2004ई.,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
6. रांगेय राघव – तूफानों के बीच,सरस्वती प्रेस बनारस,बनारस।
7. मोहन रोकश की डायरी,राजपाल एण्ड संस,नई दिल्ली।
8. धर्मवीर भारती –युद्धयात्रा,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-305-A जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी भाषा Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.जनसंचार माध्यमों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2.वर्तमान समय में जनसंचार का हमारे जीवन में महत्व को जान सकेंगे।
3.प्रिंट मीडिया के स्वरूप,लेखन और भाषा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4.इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के स्वरूप,लेखन और विज्ञापन व समाचार चैनलों में हिन्दी के विद्यार्थियों को रोजगार की संभावनाओं की जानकारी मिलेगी।
5.सोशल मीडिया और ई–कामर्स, बिजनेस पत्रिकाओं की जानकारी मिलेगी।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1
जनसंचार : अर्थ,परिभाषा एवं महत्व
जनसंचार माध्यमों का परिचय
प्रिंट मीड़िया : अर्थ,परिभाषा व स्वरूप
प्रिंट मीडिया :लेखन के क्षेत्र
इकाई–2
इलैक्ट्रोनिक मीडिया का अर्थ,परिभाषा एवं स्वरूप

इलैक्ट्रोनिक मीडिया के प्रकार
इलैक्ट्रोनिक मीडिया की आवश्यकता एवं महत्व
इलैक्ट्रोनिक मीडिया के लिए लेखन

इकाई–3

सोशल मीडियाः अर्थ, स्वरूप और महत्त्व
सोशल मीडिया पर प्रस्तुतीकरण
सोशल मीडिया की भाषा–शैली
ई–कामॅर्स, ई बिजेनस, ई– पत्रिका आादि सोशल मीडिया की भाषा

इकाई– 4

जनसंचार एवं हिन्दी अर्न्तसम्बन्ध
जनसंचार की उपयोगिता
जनसंचार की चुनौतियॉं
जनसंचार की संभावनाएँ

संदर्भ पुस्तकें –

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहत इतिहास : अर्जुन तिवारी
2. साक्षात्कार सिद्धान्त एवं व्यवहार – रामशरण जोशी
3. पत्रकारिता में अनुवाद : रामशरण जोशी – राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
4. पटकथा लेखन एक परिचयः मनोहर श्याम जोशी राजकमल प्रकाशन दिल्ली
5. हिंदी विज्ञापन की भाषा : आशा पाण्डेय– पब्लिकेशन, दिल्ली

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-305-B व्यावसायिक हिन्दी Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.व्यावसायिक हिन्दी की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2.वर्तमान समय में व्यावसायिक हिन्दी का हमारे जीवन में महत्त्व को जान सकेंगे।
3. व्यावसायिक हिन्दी के स्वरूप,लेखन और भाषा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. व्यावसायिक हिन्दी लेखन और विज्ञापन व समाचार चैनलों में हिन्दी के विद्यार्थियों को रोजगार की संभावनाओं की जानकारी मिलेगी।
5. व्यावसायिक हिन्दी के माध्यम से सोशल मीडिया और ई–कामर्स, बिजनेस की जानकारी मिलेगी।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1

व्यावसायिक हिन्दी का अर्थ,परिभाषा व स्वरूप
व्यावसायिक हिन्दी का महत्व व उद्देश्य
व्यावसायिक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर
व्यावसायिक हिन्दी के विविध क्षेत्र

इकाई –2

संक्षेपण व पल्लवन अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
टिप्पण व प्रारूपण अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

कार्यालयी पत्रों के प्रकार : सरकारी व अर्द्धसरकारी
कार्यालयी आदेश,कार्यालयी ज्ञापन,पृष्ठांकन,अधिसूचना,प्रेस विज्ञप्ति,परिपत्र एवं अनुस्मारक

इकाई –3

व्यावसायिक हिन्दी में अनुवाद की भूमिका
विज्ञापन के क्षेत्र में अनुवाद की भूमिका
वाणिज्य के क्षेत्र में अनुवाद की भूमिका
विज्ञान के क्षेत्रं में अनुवाद की भूमिका

इकाई –4

पत्रकारिता :समाचार लेखन,संपादन और रिर्पोटिंग
फीचर लेखन,प्रूफ पठन व संशोधन
हिन्दी : संचार माध्यम,कंप्यूटर और वैज्ञानिक विकास
कम्प्यूटर में हिन्दी टाइपिंग की उपयोगिता

संदर्भ पुस्तकें –

1.डॉ.प्रेमचन्द पातंजलि,व्यावसायिक हिन्दी,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
2.डॉ.कैलाशचन्द्र भाटिया,अनुवाद कला और प्रयोग, तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली।
3.प्रोफेसर रहम तुल्लक,व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशनं,नई दिल्ली।
4.गोपीनाथ श्रीवास्तव,सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग,लोकभारती प्रकाशन,इलाहबाद।
5.डॉ.कमला कौशिक,व्यावसायिक हिन्दी,श्रद्वा प्रकाशन,नई दिल्ली।
6.राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-305-C हिन्दी संचार कौशल Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.छात्रों के संभाषण कौशल को विकसित करना।
2.हिन्दी संचार कौशल के माध्यम से भाषण व साक्षात्कार जैसी विधा में छात्रों को पारंगत करना।
3.छात्रों में व्यावसाय अभिमुख कौशल विकसित करना।
4.संप्रेषण कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व को विकसित करना।
5.कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना।
6.हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से छात्रों को अवगत कराना।
7.अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

नोट :–

1.पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई–1

संचार का अर्थ,परिभाषा एवं अवधारणा
संचार की प्रक्रिया एवं तत्व
संचार के प्रमुख प्रकार और विशेषताएं
समाज में संचार की भूमिका,कार्यक्षेत्र और आवश्यकताएँ

इकाई–2

संचार के कार्य और उद्देश्य

प्रभावी संचार : मौखिक एवं गैर–मौखिक

अन्तःव्यक्गित, अन्तर व्यक्तिगत,समूह, अंतरसांस्कृतिक संचार

संचार के **7 Cs**

इकाई–3

प्रभावी संचार में श्रवण की भूमिका एवं बाधाएं

हिन्दी संचार में कंप्यूटर का योगदान

संचार में भाषण, वार्तालाप, साक्षात्कार की भूमिका

संचार में समूह चर्चा ,मंच संचालन, सार्वजनिक भाषण की भूमिका

इकाई–4

प्रभावी लेखन कौशल की विशेषताएं

रिपोर्ट लेखन,संक्षिप्त लेखन, सी.वी. लेखन, शैक्षिणक लेखन

प्रभावी पठन की प्रक्रिया एवं महत्व

प्रभावी पठन के लिए रणनीतियां एवं मूल्यांकन

संदर्भ पुस्तकें –

1. हिन्दी भाषा उद्गम और विकास, उदय नारायण तिवारी,भारती भंडार,इलाहाबाद–1961
2. हिन्दी भाषा उद्भव और विकास,हरदेव बाहरी, किताब महल,इलाहाबाद,1966
3. हिन्दी भाषा शिक्षण,रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव,सहकारी प्रकाशन,नई दिल्ली,1981
4. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण,हरिमोहन,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली,1984
5. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका,रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव,केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,आगरा
6. भारतीय भाषा और हिन्दी अनुवाद समस्या समाधान,कैलाश चन्द्र भाटिया,वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
7. भाषा और प्रोद्यौगिकी, विनोद कुमार प्रसाद,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी संचार कौशल –डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. कार्यालयी हिन्दी और संचार –डॉ. हरिमोहन
10. व्यावहारिक हिन्दी–डॉ.कैलाशचन्द्र भाटिया
11. जनसंचार और हिन्दी–डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
12. हिन्दी भाषा एवं संचार–डॉ.रमेशचन्द्र शर्मा

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-305-D अनुवाद सिद्वान्त एवं प्रयोग Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.अनुवाद के व्यावहारिक और सैद्वांतिक स्वरूप का बोध कर सकेंगे।
2.अनुवाद के विशिष्ट गुणों व प्रक्रिया की जानकारी मिलेगी।
3.अनुवाद में आने वाली समस्याओं से परिचित हो सकेंगे।
4.सांस्कृतिक सेतु के रूप में अनुवाद की भूमिका से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
5.पारिभाषिक और प्रशासनिक शब्दावली का ज्ञान कराना।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1
अनुवाद अर्थ : परिभाषा, स्वरूप और महत्त्व
अनुवाद : स्त्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा
अनुवाद के सिद्धान्त
अनुवाद प्रकिया : विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन
इकाई– 2
अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद
साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद
अच्छे अनुवादक के गुण

अनुवाद के क्षेत्र
इकाई–3
अनुवाद की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय
कंप्यूटर अनुवाद एवं कार्यालयी अनुवाद में अंतर
पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद
अनुवाद की समस्याएँ
इकाई–4
व्यावहारिक अनुवादः अंग्रेजी से हिन्दी, हिन्दी से अंग्रेजी (एक अनुच्छेद)

संदर्भ पुस्तकें –

1. अनुवाद विज्ञानः डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार
2. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा : प्रो0 सुरेश कुमार,वाणी प्रकाशन
3. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँः रवीन्द्रनाथ श्री वास्तव एवं कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद विज्ञान एवं सम्प्रेषणः हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग : जी. गोपीनाथ,लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र–2025–26

25HND-306 शोध–पत्र लेखन एवं प्रस्तुति कौशल Course Type (PC)

क्रेडिट : 2
पूर्णांक : 50
प्रैक्टिकल : 35
आंतरिक मूल्यांकन : 15

कोर्स आउटकम (COs)

1. शोधपत्र लेखन से विद्यार्थियों में शोध के प्रति रूचि जाग्रत होगी।
2. विद्यार्थी अपनी प्रस्तुति के द्वारा वाक कला व मंच संचालन में निपुण होंगे।
3. विद्यार्थी शोध–पत्र प्रस्तुति PPT Power Point Presentation के माध्यम से देंगे,जिससे वे तकनीक के साथ जुड़ेंगे।
4. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य की विभिन्न विधाओं का अध्ययन व शोध कर सकेंगे।

नोट:– इसमें विद्यार्थी अपने अध्यापक की सहायता से या स्वंय चयनित किसी एक साहित्यिक विषय पर एक शोधपत्र लिखेगा और PPT Power Point Presentation के माध्यम से अपनी प्रस्तुति प्रस्तुत करेगा। विद्यार्थी उसकी एक प्रैक्टिकल फाइल भी प्रस्तुत करेगा। संबंधित अध्यापक उसका निरीक्षण करेगा, जिसके आधार पर उनकी मौखिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य विषय– विशेषज्ञ द्वारा ली जायेगी। जिसके आधार पर विद्यार्थी का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय–वस्तु :–

1.कहानी
2.नाटक
3.उपन्यास
4.कविता
5.निबंध,यात्रा–वृतान्त,जीवनी,आत्मकथा आदि विभिन्न विधाओं पर आधारित

प्रायोगिक कार्य प्रस्तुतिकरण–20 अंक

मौखिक परीक्षा–15 अंक

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-307 रोजगारपरक हिन्दी Course Type (EEC)

क्रेडिट : 2
पूर्णांक : 50
लिखित : 35
आंतरिक मूल्यांकन : 15
समय : 2 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थियों को रोजगारोमुख हिन्दी का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
2. विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफोर्म पर हिन्दी लेखन की जानकारी मिलेगी।
3. विद्यार्थियों को टी.वी.,रेडियो,स्क्रीप्ट लेखन,समाचार लेखन,संपादन,रिर्पोटिंग और एडिटिंगब्लॉग, वेबसाइट लेखन आदि की समझ बढ़ेगी।
4. विद्यार्थी हिन्दी युनिकोड और टंकण के विभिन्न प्रकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोट :–1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 7 अंकों का होगा।
2.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 2 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंक का होगा

इकाई–1
सोशल मीडिया प्लेटफोर्म पर हिन्दी लेखन
टी.वी.,रेडियो के लिए हिन्दी स्क्रीप्ट लेखन
समाचार लेखन एवं संपादन
ब्लॉग लेखन, वेबसाइट लेखन, विज्ञापन लेखन,स्वतंत्र लेखन
इकाई–2 रचनात्मक लेखन :–
विज्ञापन,बैनर,स्लोगन,फलैक्स लेखन
हिन्दी युनिकोड और टंकण
हिन्दी में रिर्पोटिंग और एडिटिंग
हिन्दी में शिक्षक और अनुवादक के क्षेत्र में रोजगार

संदर्भ –सूची :–

1. भारतीय भाषा और हिन्दी अनुवाद समस्या समाधान,कैलाश चन्द्र भाटिया,वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
2. भाषा और प्रोद्यौगिकी, विनोद कुमार प्रसाद,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी संचार कौशल –डॉ. भेलानाथ तिवारी
4. कार्यालयी हिन्दी और संचार –डॉ. हरिमोहन
5. व्यावहारिक हिन्दी–डॉ.कैलाशचन्द्र भाटिया
6. जनसंचार और हिन्दी–डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
7. हिन्दी भाषा एवं संचार–डॉ.रमेशचन्द्र शर्मा

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-401 आदिकालीन और मध्यकालीन कविता Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ की विशेष जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
आदिकालीन हिन्दी साहित्य की रचना व रचनाकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
मध्यकालीन भक्तिधाराओं की विशेष जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
आदिकालीन एवं मध्यकालीन कवियों का साहित्य और समाज के प्रति दृष्टिकोण को समझ सकेंगे।।
आदिकालीन एवं मध्यकालीन कवियों की रचनाओं विशेष जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

आदिकालीन काव्य एवं प्रमुख कवि
भक्तिकालीन काव्य एवं प्रमुख कवि
रीतिकालीन काव्य एवं प्रमुख कवि
आदिकालीन ,मध्यकालीन एवं रीतिकालीन काव्य की भाषा–शैली

इकाई– 2

आदिकालीन काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय और उनकी वैचारिक पृष्ठभूमि
रीतिकालीन काव्य की प्रमुख काव्य धाराएं
रीतिकालीन वीर काव्य धारा

इकाई–3

चंदरबरदाई –पृथ्वीराज रासो का रेवा तट (पहले 05 पद)

अमीरो खुसरो – (अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व– डॉ. परमानन्द पांचाल, हिन्दी बुक सैन्टर, दिल्ली)– कुल पद 05

1.अम्मा मोरे बाबा को भेजो जी (गीत)
2.काहे को ब्याही विदेस रे (गीत)
3.बहुत कठिन है डगर पनघट की (गीत)
4.सगन बिन फूल रही सरसों (गीत)
5.छाप तिलक तज दीन्ही रे, तोहे नैना मिलाके (कव्वाली)

.विद्यापति की पदावली : संपादक रामवृक्ष बेनीपुरी निर्धारित पद 1,2,14,43,60 (कुल पाँच)

कबीर : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

निर्धारित अंश– 1. पाठ्य साखियां–106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177 (कुल 10 दोहे)
पाठ्य पद– 110, 130, 134, 137, 159, 160 (कुल 6 पद)

सूरदास के निर्धारित 6 पद (सूरसागर सार; संपादक डॉ.धीरेन्द्र वर्मा) 26 से 31 पर (भ्रमरगीत सार से)

. तुलसीदास के निर्धारित 6 पद (विनयपत्रिका, प्रकाशक; गीताप्रेस, गोरखपुर) 65, 66, 67, 68, 69, 73 (विनयपत्रिका से)

इकाई–4.

जायसी–नागमती वियोग खण्ड –(पहले 10 पद)

मीराबाई (मीरा वृहत्पदावली–सं.स्व. श्री हरिनारायण रत्नाकर पुराहित)–205, 314, 506, 507, 512, 513 (कुल 6 पद)

बिहारी सतसई (सं.जगन्नाथ रत्नाकर)–1,11, 25, 31,32,38,41,46,51,52,60,71,121,141,151 (15 दोहे)

घनानन्द (घनानन्द का काव्य; सं.रामदेश शुक्ल–लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली)–(कुल 6 पद)

अति सुधो स्नेह को मारग है
हीन भये जल मीन अधीन
परकाजहिं देह को धारि फिरा
पुर भवन में मौन भए घूंघट
फैलि रही धर अंबर पूरि

जा हित मात को नाम जसोदा

संदर्भ पुस्तकें

1. मलिक मुहम्मद जायसी;– रामचन्द्र शुक्ल–नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. घनानन्द का काव्य; रामदेव शुक्ल–लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
3. सरहपा; सं0 विश्म्भरनाथ उपाध्याय, साहित्य अकादमी, दिल्ली
4. अमीर खुसरो; व्यक्तित्व और कृतित्व; डॉ.परमानन्द पांचाल– हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली
5. मीरा वृहत्पदावली (प्रथम भाग)–सं.स्व.श्री हरिनारायण रत्नाकर पुरोहित–राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राजस्थान)
6. श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर' ,बिहारी रत्नाकर, –लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-402 पाश्चात्य काव्यशास्त्र Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का उद्भव और विकास की जानकारी मिलेगी।
2. विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न विचारधाराओं का अध्ययन कर सकेंगे।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न पक्षों जैसे त्रासदी,विरेचन,उदात्त,कल्पना और फैंटेसी आदि से संबधित जानकारी प्राप्त कर सकेगे।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न विद्वानों की जानकारी मिलेगी।
5. नयी समीक्षा तथा उत्तर आधुनिकता की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई–1

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के चिंतक और उनका काव्य
प्लेटो : काव्य–सिद्धान्त
अरस्तू : त्रासदी–सिद्धान्त
अरस्तू : विरेचन–सिद्धान्त

इकाई –2

लोंजाइनस : उदात्त–सिद्धान्त
स्वछंदतावादः अर्थ, अवधारणा एव विशेषताएं
वर्डसवर्थ : काव्यभाषा का सिद्धान्त
कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी सिद्धान्त

इकाई–3

मैथ्यू अर्नाल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
कोचे : अभिव्यंजनावाद
आई.ए.रिचर्ड्स : मूल्य एवं सम्प्रेषण का सिद्धान्त
टी.एस.इलियट : निर्वैयक्तिता का सिद्धान्त

इकाई–4

नयी समीक्षा : अर्थ,स्वरूप एवं अवधारणा
नयी समीक्षा की काव्य–भाषा
आधुनिकताः अर्थ,स्वरूप एवं अवधारणा
उत्तर–आधुनिकता अर्थ,स्वरूप एवं अवधारणा

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य–काव्यशास्त्र : सत्यदेव भाास्त्री – अशोक प्रकाशन
2. पाश्चात्य–काव्यशास्त्र : देवन्द्रनाथ शर्मा –लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. पाश्चात्य–काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ नगेन्द्र एवं सावित्री सिन्हा – दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
4. पाश्चात्य–साहित्य चिंतन : निर्मला जैन –राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली
5. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-403A हिन्दी साहित्य में स्त्री–विमर्श Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी स्त्री साहित्य की अवधारणा,उद्भव और विकास को समझ सकेंगे।
2.स्वानुभूति और सहानुभूति के अन्तर को रचनात्मक लेखन के आधार पर स्पष्ट कर सकेंगे।
3.स्त्री साहित्यकारों के साहित्य में योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।
4.सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ स्त्री साहित्य की भूमिका को सामाजिक आन्दोलनों के सन्दर्भ में रेखांकित कर सकेंगे।
5.स्त्री साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी स्त्रियों को मानव के रूप में देखने का दृष्टिकोण पैदा कर सकेंगे।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

स्त्री विमर्श : अर्थ ,स्वरूप व अवधारणा
स्त्री अस्मिता के सन्दर्भ में धर्म, समाज और संस्कृति

भारतीय एवं पाश्चात्य सन्दर्भ में नारीवादी आंदोलन
हिन्दी साहित्य में स्त्री–विमर्श

इकाई– 2

स्त्रीत्ववाद की विभिन्न शाखाएं
स्त्री–विमर्श की साहित्यिक सैद्धांतिकी
समकालीन साहित्य में स्त्री –विमर्श
स्त्री लेखन : दृष्टि,परम्परा, प्रवृत्तियाँ और प्रासंगिकता

इकाई– 3 निर्धारित कविताएँ :–

मीराबाई –संपादक परशुराम चतुर्वेदी –17,25,32,33,34 कुल 5 पद
महादेवी वर्मा – बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी, मैं नीर भरी दुख की बदली
कात्यायनी – सात भाइयों के बीच चंपा
सविता सिंह – मैं किसकी औरत हूं

निबंध –

ताराबाई शिंदे –स्त्री–पुरूष तुलना
महादेवी वर्मा – हिन्दु स्त्री का पत्नीत्व

इकाई– 4 निर्धारित कहानियाँ –

मंजुल भगत–बानो
चित्रा मुदगल– बावजूद इसके
रोहिणी अग्रवाल –आओ माँ हम परी हो जाएं
सूर्यबाला –आदमकद
नासिरा शर्मा –नई हुकूमत

उपन्यास– कठगुलाब –मृदुला गर्ग

संदर्भ पुस्तकें :

1.प्रो.राहिणी अग्रवाल,साहित्य की जमीन और स्त्री–मन के उच्छवास,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
2.अनुवादक– प्रभा खेतान,स्त्री उपेक्षिता ;सीमोन द बोउवारद्ध हिन्दी पाकेट बुक्स, नई दिल्ली।
3.संपादक –राजकिशोर,स्त्री,परम्परा और आधुनिकता,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
4.ताराबाई शिंदे–स्त्री–पुरूष तुलना,सिद्वार्थ बुक्स,दिल्ली।
5.रमणिका गुप्ता– आपहुदरी, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
6.मृदुला गर्ग– कठगुलाब, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
7.महादेवी वर्मा – श्रृखंला की कड़ियां,लोकभारती प्रकाशन,नई दिल्ली।
8.संपादक परशुराम चतुर्वेदी– मीराबाई ,
9.कात्यायनी – सात भाइयों के बीच चंपा
10.मंजुल भगत–. बूंद,भारतीय ज्ञानपीठ ,नई दिल्ली।
11.रोहिणी अग्रवाल –आओ मॉ हम परी हो जाएं,सामयिक प्रकाशन ,नई दिल्ली।
12.नासिरा शर्मा –नई हुकूमत,बूतखाना,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13.मंजुल भगत–बानो, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14.चित्रा मुदगल–भूख,ज्ञान गंगा प्रकाशन, जयपुर
15. सविता सिंह–अपने जैसा जीवन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-403B हिन्दी साहित्य में दलित–विमर्श Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी दलित साहित्य की अवधारणा,उद्भव और विकास को समझ सकेंगे।
2. स्वानुभूति और सहानुभूति के अन्तर को रचनात्मक लेखन के आधार पर स्पष्ट कर सकेंगे।
3. दलित साहित्यकारों के साहित्य में योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।
4. दलित सौंदर्यशास्त्र की विशेषताओं को परम्परागत सौंदर्यशास्त्र से तुलना करते हुए विश्लेषित कर सकेंगे।
5. जाति व्यवस्था के खिलाफ दलित साहित्य की भूमिका को सामाजिक आन्दोलनों के सन्दर्भ में रेखांकित कर सकेंगे।
6. दलित साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना के प्रति सामाजिक जागरूकता आएगी।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

दलित साहित्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप व अवधारणा
दलित साहित्य के प्रमुख रचनाकार

दलित साहित्य में युगबोध
दलित साहित्य की प्रवृतियॉ

इकाई– 2

हिन्दी साहित्य में दलित लेखन
दलित साहित्य और संवेदना
दलित साहित्यकारों का हिन्दी साहित्य में योगदान
दलित साहित्य की प्रासंगिकता

इकाई– 3 दलित साहित्य की कविताएं :–

नागार्जुन –हरिजन गाथा
सुशीला टांकभौरे – सिलिया,व्रत और व्रती
अनामिका– कूड़ा बीनते बच्चे, ओढ़नी

कथा साहित्य

मुंशी प्रेमचन्द – ठांकुर का कुँआ, दूध का दाम
ओमप्रकाश वाल्मीकि –सलाम, पच्चीस चौका डेढ़ सौ

इकाई– 4

उपन्यास –रत्नकुमार सांभरिया : 'नटनी'
आत्मकथा – तुलसीराम –मुर्दहिया भाग–1

सन्दर्भ सूची –

1.ओमप्रकाश वाल्मीकि: दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2 रत्नकुमार सांभरिया : नटनी, सेतु प्रकाशन समूह,प्रा.लि. नई दिल्ली।
3.सुशीला टांकभौरे, इतिहासबोध, कॅवलभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
4.ओमप्रकाश वाल्मीकि, सलाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5.अनामिका, कविता काव्य संग्रह,अनुष्टुप प्रकाशन ,नई दिल्ली।
6.अनामिका, खुरदरी हथेलियां, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
7.मुंशी प्रेमचन्द,मानसरोवर भाग–1 व 3, राजपाल एण्ड,नई दिल्ली।
8. तुलसीराम –मुर्दहिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-403C हिन्दी साहित्य में किसान–विमर्श Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी किसान साहित्य की अवधारणा,उद्भव और विकास को समझ सकेंगे।
2. स्वानुभूति और सहानुभूति के अन्तर को रचनात्मक लेखन के आधार पर स्पष्ट कर सकेंगे।
3. किसान साहित्य के माध्यम से समाज में किसानों के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।
4. पूंजीपति व्यवस्था के खिलाफ किसान साहित्य की भूमिका को सामाजिक आन्दोलनों के सन्दर्भ में रेखांकित कर सकेंगे।
5. किसान साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी किसानों की दशा और दिशा के बारे में जान सकेंगे और सामाजिक सन्दर्भ में मूल्यांकन कर सकेंगे।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

किसान विमर्श : अर्थ, परिभाषा व स्वरूप
किसान की आर्थिक और सामाजिक त्रासदी
प्रेमचन्द की किसान दृष्टि
चौधरी छोटूराम के किसान चिंतन का समकालीन संदर्भों में मूल्यांकन

इकाई –2
किसान आत्महत्या : कारण और साहित्यिक अभिव्यक्ति
कृषि कानून, किसान आन्दोलन एवं किसानों की समस्याएँ
हिन्दी साहित्य में किसान जीवन का यर्थाथवादी चित्रण
किसान विमर्श की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता
इकाई– 3 निर्धारित कविताएँ–
रामधारी सिंह –हमारे कृषक
बालकृष्ण शर्मा नवीन – ओ मज़दूर किसान,उठो
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला –कुकरमुत्ता
केदारनाथ अग्रवाल –युग की गंगा, फूल नहीं रंग बोलते हैं, यह धरती है उस किसान की,
इकाई– 4 निर्धारित कथा साहित्य
निबन्ध – अध्यापक पूर्ण सिंह–मजदूरी और प्रेम
कहानी – प्रेमचन्द – पूस की रात,सवा सेर गेहूँ ,
उपन्यास– संजीव –फॉस

सन्दर्भ सूची –

1. रामधारी सिंह –सामधेनी, श्री अजन्ता प्रेस लिमिटेड ,पटना
2. केदारनाथ अग्रवाल – फूल नही रंग बोलते,परिमल प्रकाशन,इलाहाबाद।
3. प्रेमचन्द –मानसरोवर, भाग–1,सरस्वती प्रेस,बनारस।
4. संजीव –फॉस, वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली।
5. संपादक –नंद किशोर नवल,स्वतंत्रता पुकारती,साहित्य अकादेमी,संस्करण:2006

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-403D हिन्दी साहित्य में पर्यावरण–विमर्श Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी पर्यावरण की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को जान सकेंगे।
2. विद्यार्थियों को पर्यावरण की हिन्दी साहित्य के साथ अन्तर्सम्बंध की जानकारी मिलेगी।
3. हिन्दी साहित्य में पर्यावरण के विषय में मानव को किस युग से सचेत किया जा रहा है इसकी जानकारी विभिन्न साहित्यिक विधाओं के माध्यम से मिलेगी।
4. विद्यार्थियों को पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में साहित्य का क्या योगदान है इसकी जानकारी मिलेगी।
5. विद्यार्थियों को पर्यावरण के महत्व के विषय में पता चलेगा।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

पर्यावरण का अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप
पारिस्थितिकी अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप
पर्यावरण और पारिस्थितिकी का अन्तर्सम्बंध
पर्यावरण का महत्व और प्रासंगिकता

इकाई –2

पर्यावरण और मानव का अन्तर्सम्बंध
पर्यावरण और हिन्दी साहित्य का अन्तर्सम्बंध
आदिकाल और मध्यकाल में पर्यावरण विमर्श
रीतिकाल और आधुनिककाल में पर्यावरण विमर्श

इकाई–3

पर्यावरण विमर्श की कविता–

सुमित्रानन्दन पंत – मौन निमंत्रण,धरती कितना देती है
केदारनाथ अग्रवाल – बंसती हवा हूँ
भवानी प्रसाद मिश्र – नदी में डूबे हुए से, उंघते अनमने जंगल
राजेश जोशी – मारे जाएंगे
कुवंर नारायण – एक वृक्ष की हत्या

पर्यावरण विमर्श की कहानी –

फणीश्वरनाथ रेणु– रस प्रिया, संवदिया
उदयप्रकाश – पालगोमरा का स्कूटर, दरियाई घोड़ा
शिवप्रसाद सिंह– कर्मनाशा की हार

इकाई–4

पर्यावरण विमर्श की निबंध–

कुबेरनाथ राय – प्रिया नीलकंठी, रस आखेटक
विद्यानिवास मिश्र – तुम चंदन हम पानी, बंसत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं

पर्यावरण विमर्श पर यात्रा–वृत्तान्त

अमृतलाल वेगड़ – नर्मदा तुम कितनी सुंदर हो
अज्ञेय– एक बूंद सहसा उछली

संदर्भ सूची –

1. सुमित्रानन्दन पंत, पल्लव , राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
2. संपादकः नरेन्द्र पुण्डरिक,चुनी हुई कविताएं, अनामिका प्रकाशन,प्रयागराज,उत्तर प्रदेश।
3. राजेश जोशी,प्रतिनिधि कचिताएं, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
4. कुवंर नारायण, ,प्रतिनिधि कचिताएं, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
5. रेणु, ठुमरी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
6. रेणु, अग्निखोर राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
7. उदयप्रकाश,पॉल गोमरा का स्कूटर,वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
8. उदयप्रकाश,दरियाई घोड़ा, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
9. शिव प्रसाद सिंह, कर्मनाशा की हार, भारतीय ज्ञानपीठ ,काशी उत्तर प्रदेश।
10. कुबेरनाथ, प्रिया नीलकंठी, भारतीय ज्ञानपीठ, ,काशी उत्तर प्रदेश।
11. कुबेरनाथ रस आखेटक, भारतीय ज्ञानपीठ, ,काशी उत्तर प्रदेश।
12. विद्यानिवास मिश्र,. बसन्त आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. विद्यानिवास मिश्र, तुम चन्दन हम पानी,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. अमृतलाल वेगड़ – नर्मदा तुम कितनी सुंदर हो, भारतीय ज्ञानपीठ,काशी, उत्तर प्रदेश।
15. अज्ञेय– एक बूंद सहसा उछली, भारतीय ज्ञानपीठ,काशी, उत्तर प्रदेश।

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-404-A वैचारिक पृष्ठभूमि Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि की जानकारी की प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी साहित्य में भारतीय नवजागरण के माध्यम से विद्यार्थी उस दौर की विभिन्न विचारधाराओं का अध्ययन कर सकेंगे।
3. हिन्दी नवजागरण में भारतेंदु की भूमिका से अवगत हो सकेंगे।
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी का हिन्दी नवजागरण में योगदान जान पाएंगे।
5. विभिन्न प्रकार के वादों की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई–1

भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि
हिन्दी साहित्य में भारतीय नवजागरण की अवधारणा
साहित्य की भाषा के रूप में खड़ी बोली
हिन्दी नवजागरण मे फोर्ट विलियम कॉलेज की भूमिका

इकाई–2

साहित्य में नवजागरण की अभिव्यक्ति
हिन्दी नवजागरण में भारतेंदु की भूमिका
महावीर प्रसाद द्विवेदी का हिन्दी नवजागरण में योगदान
हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ

इकाई–3

रूपवाद
संरचनावाद
उत्तर–संरचनावाद
यथार्थवाद

इकाई–4

मिथक अर्थ,अवधारणा व विशेषताएं
प्रतीक अर्थ,अवधारणा व विशेषताएं
विंब अर्थ,अवधारणा व विशेषताएं
फैंटेसी अर्थ,अवधारणा व विशेषताएं

सन्दर्भ सूची –

1. यथार्थवादः जार्ज लुकाच – ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिकाः मैनेजर पाण्डेय – हरियाणा ग्रंथ अकादमी
3. आधुनिकता,उत्तर–आधुनिकतावादी एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्तः एस.एल.दोषी –रावत पब्लिकेशन
4. मार्क्स, अम्बेडकर और गाँधी : रामविलास शर्मा –राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. मनोविश्लेषणवाद : फायड – राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
6. नगेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका,नेशनल पब्लिशंग हाउस,नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND- 404-B समकालीन साहित्य चिन्तन Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.गांधीवादी साहित्य चिंतन के द्वारा गांधी जी की राष्ट्रप्रेम की भावना से विद्यार्थी प्रेरित होगें।
2.अम्बेडकरवादी चिंतन के द्वारा विद्यार्थी समाज–सुधार एवं समाज में फैली विकृतियों को समझकर सुधारने का प्रयास करेगें।
3.मार्क्सवादी चिंतन के द्वारा मार्क्सवादी साहित्य की जानकारी प्राप्त करेगें।
4.आधुनिकतावाद और उत्तर आधुनिकतावाद के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेगें।
5.हिन्दी–साहित्य में अस्तित्ववाद का आगमन कैसे हुआ इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी तथा इसके समर्थ हिन्दी साहित्यकारों के बारे में जानकारी प्राप्त करेगें।

नोट :–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई–1

हिन्दी साहित्य में गॉधीवादी दर्शन
हिन्दी साहित्य में गाँधीवादी चिन्तन का प्रभाव
हिन्दी साहित्य में अम्बेडकर दर्शन
हिन्दी साहित्य में अम्बेडकरवादी चिन्तन का प्रभाव

इकाई–2

मनोविश्लेषणवाद का अर्थ,स्वरूप और अवधारणा
हिन्दी साहित्य में मनोविश्लेषणवाद
हिन्दी साहित्य में लोहिया दर्शन
हिन्दी साहित्य और मार्क्सवाद

इकाई–3

अस्तित्ववाद का अर्थ,स्वरूप और अवधारणा
हिन्दी साहित्य में अस्तित्ववाद
हिन्दी साहित्य में आधुनिकतावाद
हिन्दी साहित्य में उत्तर–आधुनिकतावाद

इकाई–4

हिन्दी साहित्य में समकालीन साहित्य चिन्तन की पृष्ठभूमि
समकालीन कविता और विभिन्न विमर्श
हिन्दी साहित्य में आदिवासी विमर्श
हिन्दी साहित्य में अल्पसंख्यक विमर्श

सन्दर्भ सूची –

1. रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि,लोकभारती प्रकाशन,नई दिल्ली।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी, अशोक के फूल,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
3. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा –राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह– राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह– राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र : सं0 देवेन्द्र चौबे, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण 2006

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-404-C हिन्दी आलोचना Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.आलोचना के सिद्वान्तों एवं प्रवृतियों से परिचित कराना।
2.साहित्यिक विश्लेषण एवं मूल्यांकन क्षमता का विकास करना।
3.हिन्दी भाषा एवं अभिव्यक्ति कौशल को समृद्व बनाना।
4.प्रमुख आलोचकों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
5.आलोचना के सिद्वान्त एवं प्रवृतियों का अध्ययन कर सकेंगे।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा।जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1

आलोचना का अर्थ : परिभाषा एवं अवधारणा
हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास
हिन्दी आलोचना का वर्गीकरण
हिन्दी के प्रमुख आलोचकों का संक्षिप्त परिचय

इकाई–2

शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना
शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना
शुक्लोत्तरयुगीन हिन्दी आलोचना– स्वच्छंदतावादी, प्रगतिवादी आलोचना

मनोविश्लेषणवादी समीक्षा, नई समीक्षा, समकालीन समीक्षा

इकाई–3

प्रमुख आलोचक :–आलोचना दृष्टि,साहित्यिक मूल्यांकन,सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य,भाषा एवं शैली

रामचन्द्र शुक्ल
हजारी प्रसाद द्विवेदी
रामविलास शर्मा
डॉ नगेन्द्र

इकाई–4

रचनाकार आलोचक : आलोचना दृष्टि,साहित्यिक मूल्यांकन,सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य,भाषा एवं शैली

प्रेमचन्द
जयंशकर प्रसाद
अज्ञेय
मुक्तिबोध

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा –राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह– राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह– राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र : सं0 देवेन्द्र चौबे, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली प्रथम संस्करण 2006
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,हिन्दी साहित्य का इतिहास,लोकभारती प्रकाशन,नागरी प्रचारिणी सभा काशी
7. नामवर सिंह,कविता के नए प्रतिमान,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी निबंध,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
9. .रामविलास शर्मा,निराला की साहित्य साधना,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-404-D हिन्दी पत्रकारिता Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1.विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2.विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता के प्रकारों से परिचित हो सकेंगे।
3.विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रमुख पत्रकारों के विषय में जानकारी मिल सकेगी।
4.विद्यार्थी हिन्दी के प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं की जानकारी मिलेगी।
5.विद्यार्थियों को समाचार लेखन कला और संपादन कला की जानकारी मिल सकेगी।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा।जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1
हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
हिन्दी पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार
भारतेंदु–पूर्व युगीन पत्रकारिता
द्विवेदी युगीन पत्रकारिता
इकाई –2
छायावाद युगीन पत्रकारिता

छायावादोत्तर युगीन पत्रकारिता
समकालीन पत्रकारिता
विमर्श केन्द्रित पत्रकारिता

इकाई –3

संपादन के आधारभूत तत्वः संपादकीय लेखन,फीचर लेखन
पत्रकारिता के मूल तत्व
समाचार संकलन और संपादन
समाचार के स्रोत

इकाई –4

समाचार लेखन कला :– शीर्षक,इंट्रो,शीर्षक संपादन,पृष्ठ–सज्जा,व्यवहारिक प्रूफ शोधन
साक्षात्कार और पत्रकार वार्ता
प्रेस प्रबंधन प्रक्रिया एवं कार्य
प्रमुख प्रेस कानून और आचार संहिता

संदर्भ पुस्तकें –

1.डॉ रामचन्द्र तिवारी, पत्रकारिता के विविध रूप,अशोक प्रकाशन दिल्ली।
2.डॉ वेद प्रताप वैदिक, हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम,नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3.डॉ. पी.सी.टंडन,पत्र और पत्रकार,ज्ञान मंडल प्रकाशन,वाराणसी।
4.डॉ. मनोहर प्रभाकर,फीचर लेखनः स्वरूप और शिल्प,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
5.रामशरण जोशी, मीडिया और बाजारवाद, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
6.फीचर लेखन,चतुर्वेदी प्रकाशन,सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार।

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र–2025–26

25HND-405-A कबीर –विशिष्ट रचनाकार Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्ट

कोर्स आउटकम (COs)

1 .विशिष्ट रचनाकार कबीरदास के साहित्य का विशेष अध्ययन कर सकेंगें।
2 .मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
3 .मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
4 मध्यकालीन समाज व साहित्य की स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे।
5 कबीर ने निर्गुण भक्ति के माध्यम से भक्ति मार्ग को बाह्य आडम्डरों से मुक्त किया। जिसका प्रभाव विद्यार्थी वर्ग पर हो सकेगा।
6 भक्ति आन्दोलन में कबीर के समय व उनके अवदान को समझ पायेंगे।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

कबीर का समय
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का रहस्यवाद
कबीर के राम

इकाई–2

कबीर की क्रांति चेतना
कबीर का स्त्री–विषयक चिंतन
कबीर की मानवतावादी दृष्टि
कबीर की भाषा

इकाई–3

कबीर ग्रंथावली; सं.श्यामसुंदर दास (निर्धारित 20 पद)
पद संख्या; 1, 8, 14, 16, 21, 23, 24, 34, 39, 41, 42, 43, 49, 57, 59, 60, 61, 64, 80, 89,

इकाई–4

साखी –(कबीर ग्रंथावली सं.श्यामसुंदर दास) में संकलित
1.गुरूदेव कौ अंग –पद संख्या-- 1 से 10
.2. मन कौ अंग –पद संख्या– 1 से 10
3.. कुसंगति कौ अंग –पद संख्या– 1 से 7

संदर्भ पुस्तकें –

1. कबीर; हजारी प्रसाद द्विवेदी–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर मीमांसा; डॉ.रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कबीर साहित्य की परख;परशुराम चतुर्वेदी–भारती भण्डार, इलाहाबाद
4. कबीर की विचाराधारा ;गोविन्द त्रिगुणायत–साहित्य निकेतन, कानपुर
5. संत कबीर; डॉ.रामकुमार वर्मा–साहित्य भवन, इलाहाबाद

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-405-A तुलसीदास –विशिष्ट रचनाकार Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्ट

कोर्स आउटकम (COs)

1. विशिष्ट रचनाकार तुलसीदास के साहित्य का विशेष अध्ययन कर सकेंगे।
2. तुलसीदास की रचनाओं को पढ़ने और समझने का अवसर मिलेगा।
3. मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
4. मध्यकालीन समाज व साहित्य की स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे।
5. तुलसीदास ने सगुण भक्ति के माध्यम से भक्ति मार्ग को सरल और आसान बनाने का कार्य किया है उसकी विशेष जानकारी से विद्यार्थी लाभान्वित हो सकेंगे।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

भक्तियुगीन पृष्ठभूमि और तुलसीदास
रामकाव्य–परम्परा और तुलसीदास
तुलसीदास की भक्तिभावना
तुलसी की सामाजिक चेतना

इकाई–2

तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल व समन्वय की भावना
तुलसीदास की रामराज्य की अवधारणा
तुलसी काव्य की प्रासंगिकता
तुलसीदास की भाषा एवं सौंदर्यबोध

इकाई–3

रामचरितमानस (गीता प्रेस) गोरखपुर
उत्तरकांड– (1से 35 पेज)

इकाई–4

कवितावली (10 छंद) –29, 35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 84, 88

संदर्भ पुस्तकें :

1. गोस्वामी तुलसीदास; रामचंद्र शुक्ल–नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. विश्वनाथ त्रिपाठी ,लोकवादी तुलसीदास,राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली
3. राममूर्ति त्रिपाठी–तुलसी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. डॉ. नगेन्द्र,तुलसी संदर्भ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हरिश्चन्द्र वर्मा , भक्ति, नीति और दर्शन,आधार प्रकाशन

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-405-A सूरदास –विशिष्ट रचनाकार Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विशिष्ट रचनाकार सूरदास के साहित्य का विशेष अध्ययन कर सकेंगे।
2. सूरदास की रचनाओं को पढने और समझने का अवसर मिलेगा।
3. मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
4. मध्यकालीन समाज व साहित्य की स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे।
5. सूरदास के साहित्य के माध्यम से भ्रमरगीत परम्परा की जानकारी से विद्यार्थी लाभान्वित हो सकेंगे।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत
सूरदास का दार्शनिक दृष्टिकोण
सूरदास का प्रकृति–निरूपण
सूरदास का सौंदर्य–बोध

इकाई–2

सूरदास की भक्ति भावना
सूरदास का वात्सल्य–वर्णन
सूरदास के काव्य में गीति–तत्त्व
सूरदास की काव्य–भाषा

इकाई–3

सूरसागर सार (संपादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा)
मथुरा गमन से निर्धारित पद (1से 25 पद)

इकाई–4

सूरसागर सार (संपादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा)
उद्धव संदेश से निर्धारित पद (1से 25 पद)

संदर्भ पुस्तकें :

1. सूरसागर (श्री कृष्ण लीलात्मक) (पाँच खण्ड) : डॉ. किशोरी लाल गुप्त–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय –वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. सूरदास और उनका भ्रमरगीत : डॉ श्री निवास शर्मा –नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सूर संचायिता : सं0 मैनेजर पाण्डेय–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-405-D मीराबाई–विशिष्ट रचनाकार Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विशिष्ट रचनाकार मीराबाई के साहित्य का विशेष अध्ययन कर सकेंगे।
2. मीराबाई के माध्यम से स्त्री–मुक्ति के इतिहस की जानकारी मिलेगी।
3. मीराबाई की रचनाओं को पढ़ने और समझने का अवसर मिलेगा।
4. मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
5. मध्यकालीन समाज व साहित्य में स्त्रियों की स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे।
6. मीराबाई की कृष्ण भक्ति परम्परा जानकारी से विद्यार्थी लाभान्वित हो सकेंगे।

नोट :–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

भक्तियुगीन पृष्ठभूमि और मीराबाई
कृष्णभक्ति परम्परा में मीराबाई का स्थान
मीराबाई का समय और समाज
मीराबाई की भक्तिभावना

इकाई–2

मीराबाई का जीवन एवं उपासना पद्वति
मीराबाई और स्त्री मुक्ति के प्रश्न
मीराबाई और हिन्दी आलोचना
मीराबाई की भाषा और सौंदर्यबोध

इकाई–3

मीराबाई के भक्ति पद (निर्धारित पद 25) (मीरा वृहत्पदावली, सं0 हरिनारायण पुरोहित)
30, 44, 54, 73, 108, 117, 129, 147, 199, 205, 224, 247, 279, 286, 287, 316, 339, 363, 367, 443, 539, 568, 587, 617

इकाई–4

मीराबाई के पद (प्रारम्भ के 20 पद) (मीरा : सम्पादक : विश्वनाथ त्रिपाठी)

संदर्भ पुस्तकें :

1. सम्पादक : विश्वनाथ त्रिपाठी, मीरा, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
2. मीराबाई का जीवन परिचय : मुंशी देवी प्रसाद – बंगीय हिंदी परिषद्, कोलकात्ता
3. मीरा का जीवन और काव्य (दो भाग) : डॉ० सी०एल० प्रभात – राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. श्रीभक्तमाल (टीका कवित्त) : प्रियादास –. श्री वंकेटेश्वर प्रेस, मुम्बई
5. चौरासी वैष्णव की वार्ता : गोकुलनाथ – पूजा प्रेस, अहमदाबाद
6- मीरा वृहत्पदावली, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान पी. डब्ल्यू डी रोड़, जोधपुर

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2026–27

25HND-406 शोध प्रविधि एवं व्यावहारिक रूप Course Type (PC)

क्रेडिट : 2
पूर्णांक : 50
प्रैक्टिकल : 35
आन्तरिक मूल्यांकन : 15

कोर्स आउटकम (COs)

1. शोध की अवधारणा,स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना।
2. .शोध की विभिन्न प्रविधियों का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।
3. शोध समस्या का चयन एवं शोध–प्रस्ताव तैयार करना।
4. संदर्भ–सामग्री के संकलन एवं विश्लेषण का प्रशिक्षण देना।
5. शोध–प्रबंध लेखन,उद्धरण एवं संदर्भ शैली का अभ्यास कराना।
6. डिजिटल शोध उपकरणों एवं कृत्रिम बुद्धिमता के नैतिक उपयोग का ज्ञान देना।

इकाई –1

शोध : अर्थ, परिभाषा एवं रूपरेखा– निर्माण
शोध : ,प्रकार–प्रसार ,तत्व, दृष्टि, क्षेत्र एवं प्रयोजन
शोध : विषय–चयन, परिकल्पना, सर्वेक्षण,समालोचना,तथा संयोजन
शोध की प्रमाणिकता :साक्ष्य,उद्धरण एवं सन्दर्भोल्लेख, फुटनोट,

इकाई –2

भूमिका, विषय–वस्तु, उपसंहार लेखन, परिशिष्ट लेखन
सन्दर्भ शैली का परिचय : नामों की अनुक्रमणिका व अन्य सामग्री प्रस्तुत करने की विधियाँ
शोध : वैज्ञानिक उपकरणों की भूमिका, पुस्तकालय,ई–पुस्तकालय का उपयोग
हिन्दी शोध : स्तर– ह्रास और सुधार, शोध में नैतिकता, साहित्यिक चोरी से बचाव

प्रायोगिक कार्य – विद्यार्थियों को 40 से 60 पृष्ठ का शोधालेख तैयार करना होगा।

शोधालेख के विषय का चुनाव करने से पहले विभाग द्वारा निर्धारित अध्यापक शोध के सैद्वान्तिक पक्ष से संबंधित उपरोक्त दोनों इकाईयों का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कक्षा में समझाएगा । शोध के सैद्वान्तिक पक्ष का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से या विभाग द्वारा निर्धारित अध्यापक की सहायता से अपने एम.ए. हिन्दी के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से या यू.जी.सी.नेट पाठ्यक्रम या किसी प्रसिद्व साहित्यिक कृति से किसी भी एक विषय पर शोध–प्रविधि का प्रयोग करते हुए अपना शोधालेख का कार्य 40 से 60 पृष्ठ के बीच एक प्रैक्टिकल फाइल के माध्यम से प्रस्तुत करेगा। जिसके आधार पर उनकी मौखिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य विषय– विशेषज्ञ द्वारा ली जायेगी। जिसके आधार पर विद्यार्थी का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय –वस्तु :–

1. उपरोक्त विषय के आधार पर राष्ट्रीय चेतना, मूल संवेदना,सामाजिक चेतना आदि पक्षों पर अपना शोधालेख कार्य कर सकते हैं।
2. जैसे उदाहरण के लिए –'चन्द्रगुप्त' नाटक में राष्ट्रीय व सांस्कृतिक चेतना

प्रायोगिक कार्य प्रस्तुतिकरण–20 अंक
मौखिक परीक्षा–15 अंक

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र– 2026–27

For Option -2

25HND-407 लघु शोधप्रबन्ध Course Type (Dissertation/Project work/ Apprenticeship/ Internship etc.)

क्रेडिट : 12
पूर्णांक : 300
प्रैक्टिकल :200
आन्तरिक मूल्यांकन :100

कोर्स आउटकम (COs)

1. शोध की अवधारणा,स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना।
2. .शोध की विभिन्न प्रविधियों का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।
3. शोध समस्या का चयन एवं शोध–प्रस्ताव तैयार करना।
4. संदर्भ–सामग्री के संकलन एवं विश्लेषण का प्रशिक्षण देना।
5. शोध–प्रबंध लेखन,उद्धरण एवं संदर्भ शैली का अभ्यास कराना।
6. डिजिटल शोध उपकरणों एवं कृत्रिम बुद्विमता के नैतिक उपयोग का ज्ञान देना।

इकाई –1

शोध : अर्थ, परिभाषा एवं रूपरेखा– निर्माण
शोध : ,प्रकार–प्रसार ,तत्व, दृष्टि, क्षेत्र एवं प्रयोजन
शोध : विषय–चयन, परिकल्पना, सर्वेक्षण,समालोचना,तथा संयोजन
शोध की प्रमाणिकता :साक्ष्य,उद्धरण एवं सन्दर्भोल्लेख, फुटनोट,

इकाई –2

भूमिका, विषय–वस्तु, उपसंहार लेखन, परिशिष्ट लेखन
सन्दर्भ शैली का परिचय : नामों की अनुक्रमणिका व अन्य सामग्री प्रस्तुत करने की विधियॉं
शोध : वैज्ञानिक उपकरणों की भूमिका, पुस्तकालय,ई–पुस्तकालय का उपयोग
हिन्दी शोध : स्तर– ह्रास और सुधार, शोध में नैतिकता, साहित्यिक चोरी से बचाव

प्रायोगिक कार्य – लघु शोधप्रबन्ध

विकल्प 2 चुनने वाले छात्रों को पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के लिए एक लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करना होगा। लघु शोधप्रबन्ध के विषय का चुनाव करने से पहले विभाग द्वारा निर्धारित अध्यापक शोध के सैद्वान्तिक पक्ष से संबंधित उपरोक्त दोनों इकाईयों का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कक्षा में समझाएगा । शोध के सैद्वान्तिक पक्ष का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से या विभाग द्वारा निर्धारित अध्यापक की सहायता से अपने एम.ए. हिन्दी के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से या यू.जी.सी.नेट पाठ्यक्रम या किसी प्रसिद्व साहित्यिक कृति से किसी भी एक विषय पर शोध–प्रविधि का प्रयोग करते हुए अपना लघु शोधप्रबन्ध प्रस्तुत करेगा। जिसके आधार पर उनकी मौखिक परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय के नियमानुसार किया जाएगा। मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य विषय– विशेषज्ञ द्वारा ली जायेगी। जिसके आधार पर विद्यार्थी का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय –वस्तु :–

1. उपरोक्त विषय के आधार पर राष्ट्रीय चेतना, मूल संवेदना,सामाजिक चेतना आदि पक्षों पर अपना लघु शोधप्रबन्ध का कार्य कर सकते हैं।
2. जैसे उदाहरण के लिए –'चन्द्रगुप्त' नाटक में राष्ट्रीय व सांस्कृतिक चेतना/ 'कठगुलाब' उपन्यास में स्त्री–विमर्श

प्रायोगिक कार्य प्रस्तुतिकरण–200 अंक
मौखिक परीक्षा–100 अंक

Ch. Bansi Lal University Bhiwani
Department of Hindi
Syallabus scheme & syllabus
(3rd Semerster to 4th Semester)
Choice based system
Implemented from July 2025